क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुपी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्स्योरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुपी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्षः 02 अंकः 07, बुधवार, 30 जनवरी, 2019, पेजः 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिद्धारमैया ने की महिला से बदसलूकी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिद्धारमैया की एक महिला के साथ बदसलूकी का वीडियो सामने आया है। मामला राज्य के मैसूरू का है जहां एक जनसभा के दौरान सिद्धारमैया ने अपना आपा खो दिया है और अपनी बात रख रही महिला के साथ दुर्व्यवहार किया।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने कर्नाटक डीजीपी नीलमणि राजू को मामले की जांच के लिए कहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि सिद्धारमैया अपनी बात कह रही महिला से माइक छीन रहे हैं। महिला क्षेत्र में विकास से जुड़ी गतिविधियों को लेकर उनसे एक सवाल कर रही है। इतना ही नहीं माइक छीनने के बाद वह हाथ आगे बढ़ाकर उनसे जबरन बैठाने के भी प्रयास कर रहे हैं।

वीडियो हुआ वायरल

सिद्धारमैया वर्तमान में कर्नाटक में प्रतिपक्ष के नेता हैं और वह एचडी कुमारस्वामी से पहले राज्य के सीएम भी रह चुके हैं। मैसूर में हुई यह पूरी घटना मौके पर मौजूद मीडियाकर्मियों के कैमरे में कैद हो गई और बाद में इस विडियो के सार्वजनिक होने के बाद विवाद शुरू हो गया। कर्नाटक के कांग्रेस नेता दिनेश गुंडु राव ने सिद्धारमैया का बचाव करते हुए कहा कि कई बार लोग बहुत गलत तरीके से सवाल पूछते हैं, उन्हें सुनने के बाद भी वह नहीं रुकते, ऐसे वक्त में आप उनसे माइक छीनना चाहेंगे। इस केस में जब महिला से माइक छीना गया तो माइके साथ -साथ उसका दुप्पट्टा भी आ गया। सिद्धारमैया का ऐसा करने का कोई इरादा नहीं था।

बीजेपी का हमला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ बीजेपी नेता प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि राहुल बताएं कि वह सिद्धारमैया के साथ क्या करेंगे। जो बर्ताव उन्होंने किया है, वह जुर्म है। इस तरह से वह महिलाओं को देखते हैं, तंदूर केस से वह नहीं बदले हैं। वह सिर्फ एक परिवार की महिलाओं का सम्मान करते हैं।

फिर खतरे में कर्नाटक सरकार!

कर्नाटक में सियासी संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। अब कांग्रेस विधायक के बयान के बाद यहां की राजनीति गर्मा गई है। बात इतनी बढ़ गई है कि मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी कुर्सी छोड़ने तक को तैयार हैं। कांग्रेस विधायक के बयान पर मुख्यमंत्री कुमारस्वामी का कहना है, कांग्रेस नेताओं को इन सभी मुद्दों को देखना होगा, मुझे इससे कोई मतलब नहीं है। अगर वे सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, तो मैं पद छोड़ने के लिए तैयार हूं। वह सीमा पार कर रहे हैं... कांग्रेस नेताओं को अपने अपने विधायकों को नियंत्रित करना चाहिए। बता दें कि कांग्रेस विधायकों ने सिद्धारमैया को अपना नेता बताया था। वहीं उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि सिद्धारमैया सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री रहे हैं। वह हमारे विधायक दल के नेता हैं। विधायकों के लिए वही मुख्यमंत्री हैं। उन सभी ने बस अपनी राय व्यक्त की है। इसमें गलत क्या है? हम सभी सीएम कुमारस्वामी के साथ खुश हैं।

क्या बोला था कांग्रेस एमएलए ने?

जब सियासी संकट के बीच ये आरोप लगाए गए कि संकट के लिए पार्टी के नेता सिद्धारमैया जिम्मेदार हैं, इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री के समर्थकों ने रविवार को कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की।

न्यूज

कारवां-ए-अमन बस पीओके के लिए रवाना

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद के बीच चलने वाली कारवां-ए-अमन बस सोमवार को यहां से रवाना हो गई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के इस ओर आखिरी भारतीय सैन्य चौकी कमान चौकी के लिए बस आज सुबह श्रीनगर के बेमिना से रवाना हुई। उन्होंने बताया कि बस के उरी में व्यापार सुविधा केन्द्र (टीएफसी) पहुंचने पर कमान चौकी की ओर जाने से पहले यात्री इसमें सवार होंगे। यात्रियों की वास्तिवक संख्या दोपहर बाद सीमा पार पहुंचने पर पता लग सकेगी। उन्होंने बताया कि पीओके से आने वाली बस के यात्रियों की संख्या के बारे में भी शाम तक यहां पहुंचने पर पता लगा पाएगा।

लाला लाजपत राय की 154वीं जयंती मनी

जौनपुर, (एजेंसी)। देश की आज़ादी की लड़ाई के महान क्रांतिकारी एवं बलिदान की प्रतिमूर्ति पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की 154वीं जयंती सोमवार को मनाई। हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी व लक्ष्मीबाई ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक पर पहुंचकर सुबह पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की तस्वीर के सामने मोमबत्ती जलाकर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी 1865 को पंजाब के मोगा जिले में हुआ था। उनके पिता का नाम लाला राधा कृष्ण अग्रवाल था ये पेशे से अध्यापक और उर्दू के लेखक थे। ब्रिगेड की अध्यक्ष मंजीत कौर ने कहा कि लाला लाजपत राय ने वकालत की पढ़ाई पूरी कर हिसार तथा लाहौर में वकालत शुरू की। वे देश मे स्वावलम्बन से स्वराज लाना चाहते थे। देश में 1899 में आये अकाल में उन्होंने पीड़ितों की तन मन और धन से सेवा की। लाला लाजपत राय ने अपना सर्वोच्च बलिदान उस समय दिया जब साइमन कमीशन भारत आया था।

तुर्की करेगा अधिक यूएवी का निर्माण: अर्दोगन

एंटाल्या, (एजेंसी)। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप अर्दोगन ने घोषणा की है कि देश आने वाले महीनों में अधिक संख्या में मानवरहित विमानों (यूएवी) का निर्माण करेगा। सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलू ने बताया कि श्री अर्दोगन ने रविवार को यहां एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि देश में निगरानी और सशस्त्र ड्रोन दोनों का निर्माण हो रहा है। अब, हम बड़े पैमाने पर सशस्त्र मानवरहित विमानों का निर्माण कर रहे हैं और इसे कुछ महीनों में पूरा कर लिया जायेगा। देश के रक्षा उद्योग को हाल में मिली सफलता में स्थानीय निर्माताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। स्थानीय निर्माताओं ने तुर्की रक्षा उद्योग की लगभग 65 प्रतिशत आवश्यकताओं को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि कुछ ही महीनों में जिन ड्रोन का उत्पादन होने वाला है, वे भविष्य में दुनिया के लिए मिसाल बनेंगे।

अफगानिस्तान में 38 लोगों को मुक्त कराया गया, नौ आतंकी ढेर

काबुल, (एजेंसी)। अफगानिस्तान की सेना ने पूर्वी प्रांत गजनी में रविवार रात भर अभियान चलाकर 38 लोगों को आतंकी संगठन तालिबान के कब्जे से मुक्त कराया और इस दौरान नौ आतंकियों को मार गिराया। अफगानी रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बयान में बताया

कि अफगान नेशनल आर्मी ने गजनी प्रांत में अब बंद जिले के घाट काली गांव में अभियान चलाकर 38 लोगों को तालिबान के चंगुल से मुक्त कराया। उसने बताया कि इस दौरान तालिबानी आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर हमला किया और सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में नौ आतंकवादी मारे गये। मंत्रालय ने बताया कि मुक्त कराये गये लोगों को एक सैन्य अड्डे पर रखा गया है। उनकी पहचान किये जाने तक उन्हें वहीं रखा जायेगा। बयान के मुताबिक सुरक्षा बलों के अभियान में नौ संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार भी किया गया और उनके तीन आयुध डिपो तथा बंधकों को रखने के लिए इस्तेमाल होने वाली दो इमारतों को नष्ट कर दिया गया। तालिबान ने दावा किया है कि मुठभेड़ में सुरक्षा बलों के जवान भी हताहत हुए हैं।

हाईकोर्ट: नवाज की चिकित्सा रिपोर्ट तलब

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व पीएम नवाज शरीफ के स्वास्थ्य से जुड़ी सभी चिकित्सा रिपोर्टों को तलब किया है। शरीफ की इस समय अल अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में कोट लखपत जेल में बंद हैं। उन्होंने स्वास्थ्य के आधार पर अपनी सजा निलंबित करने के लिए याचिका दायर की है। सोमवार को हाईकोर्ट की दो सदस्यीय खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई की।

कृषि राज्य मंत्री की मौजूदगी में उप्र कृषि निदेशक ने उठाया मुद्दा

डीबीटी के माध्यम से हो रही उर्वरकों की कालाबाजारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सरकार ने यूरिया तथा अन्य सब्सिडी वाले उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने के लिए इसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की व्यवस्था की थी, लेकिन अब डीलर उसी व्यवस्था की कमजोरी का लाभ उठाकर कालाबाजारी कर रहे हैं।

जायद यानी ग्रीष्मकालीन फसलों पर पिछले सप्ताह यहाँ आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन के दौरान उत्तर प्रदेश के कृषि निदेशक सोराज सिंह ने केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला की मौजूदगी में यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि डीबीटी विफल हो चुका है। कालाबाजारी के कारण राज्य में यूरिया की कृत्रिम कमी पैदा हो गयी है।''

श्री रूपाला ने उद्घाटन सत्र समाप्त होने के तुरंत बाद श्री सिंह को अलग कमरे में बुलाकर उनसे कुछ बात की। श्री सिंह ने यूनीवार्ता को बताया कि मंत्री ने उन्हें समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि वास्तव में राज्य में यूरिया की कमी नहीं है। यह कालाबाजारियों द्वारा पैदा की गयी कृत्रिम कमी है। आम तौर पर जरूरत से कुछ ज्यादा यूरिया की बोरियाँ स्टॉक में रखने की परंपरा रही है, लेकिन इस समय यह अतिरिक्त स्टॉक नहीं होने से दिक्कत आ रही है। श्री सिंह ने कहा ''एक-एक किसान के नाम पर 900 बोरियाँ तक यूरिया जारी करने के मामले सामने आये हैं। दरअसल किसान जब अँगूठा लगाकर अपने बायोमीट्रिक निशान देता है तो उसे तो वही 10 या 20 बोरियाँ मिलती हैं जिसके वह पैसे देता है, लेकिन उसके नाम के आगे डीलर अपनी मर्जी से सैकड़ों बोरियों की एंट्री कर देता है।

उल्लेखनीय है कि उर्वरक की सब्सिडी सीधे लाभार्थी के खाते में आने की बजाय कंपनी के खाते में जाते हैं और किसान को सब्सिडी वाली दर पर ही खरीद करनी होती है। इस प्रकार डीलर 10 बोरी की सब्सिडी देकर 900 बोरी की सब्सिडी ले लेता है। कृषि निदेशक ने कहा कि यदि पैसे सीधे लाभार्थी के खाते में भेजे जायें तो यह घोटाला रुक सकता है। इससे उर्वरक की कालाबाजारी भी रुकेगी क्योंकि डीलरों को कालाबाजारी के लिए उर्वरक की बोरियाँ ही नहीं मिलेंगी। उत्तर प्रदेश कृषि विभाग के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि नेटवर्क की समस्या के कारण किसानों को उर्वरक खरीदने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार किसान अँगूठा लगाते रहते हैं, लेकिन देर-देर तक बायोमीट्रिक का मिलान नहीं हो पाता। इससे पीछे लंबी लाइन लग जाती है और उन्हें घंटों इंतजार करना होता है।

किसानों के सत्यापन पर विचार कर रही है सरकार

उर्वरक राज्यमंत्री हंसराज गंगाराम अहीर ने कहा कि यूरिया का कृषि के अलावा दूसरी जगह इस्तेमाल होने पर रोक लगाने के लिये सरकार एक प्रस्ताव पर काम कर रही है जिसके तहत किसानों का सत्यापन करने के बाद ही उर्वरक की बिक्री की जाएगी। केवल किसानों को यूरिया बेचे जाने के संदर्भ में पायलट परियोजना शुरू होगी। यूरिया पर काफी सब्सिडी दी जाती है ताकि यह किसानों को सस्ती दर पर मिले और इसका केवल कृषि उद्देश्य के लिये उपयोग हो लेकिन आज कोई भी यूरिया खरीद सकता है चाहे वह किसान है या नहीं। इसीलिए हम चाहते हैं कि यह केवल किसानों को मिले। हालांकि ऐसे कुछ ही मामले हैं जहां यूरिया कृषि के अलावा दूसरे जगह उपयोग हो रहा है।

सावरकर को भारत रत्न न दिया जाना दुर्भाग्यपूर्ण

मुम्बई, (एजेंसी)। शिव सेना ने प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर को नजरअंदाज करने और भारत रत्न से सम्मानित न किए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। शिव सेना ने अपने मुख पत्र 'सामना' में सोमवार को लिखे सम्पादकीय में कहा कि वीर सावरकर को पूर्ववर्ती केन्द्र सरकारों और यहां तक कि नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में नजरअंदाज किया गया। सम्पादकीय में कहा गया है कि वरिष्ठ कलाकार भूपेन हजारिका को आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया है, जो 'गलत बात' है। भाजपा की केन्द्र और महाराष्ट्र की सरकार में शामिल शिव सेना लंबे समय से वीर सावरकर को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किये जाने की मांग कर रही है। वीर सावरकर ने आजीवन कारावास की सजा के दौरान अंडमान की सेसुलर जेल में अपने जीवन का लंबा अर्सा गुजारा था। शिव सेना के राज्य सभा सदस्य संजय राउत ने कुछ वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कहा था कि अब उचित समय आ गया है कि वीर सावरकर को भारत रत्न देकर पूर्व की गलतियों को सुधार लिया जाये।

दीवार निर्माण पर डेमोक्रेट्स में बनने लगी सहमति

मास्को, (एजेंसी)। अमेरिका के व्हाइट हाउस के कार्यकारी चीफ ऑफ स्टॉफ मिक मुलवाने ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स के बीच अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर दीवार निर्माण को लेकर सहमति बनने की शुरुआत हो गई जिसके बाद श्री ट्रंप ने 35 दिनों तक चली आंशिक कामबंदी को खत्म करने का निर्णय लिया।

श्री मुलवाने ने कहा कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि कई डेमाक्रेट सांसद हमारे पास आये थे। कुछ निजी रूप से आये और कई ने सार्वजनिक रूप से अपनी बात कही कि वे श्री ट्रंप के प्रस्ताव से सहमत हैं। देश की दक्षिणी सीमा पर दीवार बनाने की आवश्यकता है। वे हमारे पास आये और उन्होंने कहा कि हम आपसे सहमत हैं।

आप दक्षिणी सीमा पर दीवार को लेकर लड़ाई को जीत गये हो। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को श्री ट्रंप और कांग्रेस नेता कामबंदी खत्म करने के एक समझौते पर सहमत हो गये थे। समझौते के बाद शुक्रवार को ही अमेरिकी संसद में अल्पावधि व्यय विधेयक पारित कर दिया गया और उस पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने हस्ताक्षर कर दिये।

विधेयक में हालांकि अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर दीवार निर्माण के लिए आवंटित की जाने वाली राशि का कोई जिक्र नहीं किया गया लेकिन समझौते के अनुसार सरकार की कामबंदी को तीन सप्ताह के लिए इसलिए खोला गया ताकि इस दौरान डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन सांसद श्री ट्रंप की अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर दीवार निर्माण के लिए 5.7 अरब डालर की राशि आवंटित करने की मांग पर आपस में बातचीत करके अपने मतभेद दूर कर सकें।

कांस्टेबल हर्ष कुमार शहीद हिस्ट्रीशीटर की भी मौत

अमरोहा,(एजेंसी)। उप्र में अमरोहा जिले के मंडी धनौरा क्षेत्र में बदमाशों के साथ हुई मुठभेड़ में सिपाही हर्ष कुमार शहीद हो गया, जबकि घायल हिस्ट्रीशीटर की भी अस्पताल में मृत्यु हो गई । मुरादाबाद जोन के पुलिस महानिरीक्षक रमित शर्मा ने सोमवार को यहां बताया कि रविवार देर शाम मंडी धनौरा थाने की पुलिस इलाके में गश्त पर जा रही थी।

अमरोहा पुलिस मुठभेड़

चेकिंग के दौरान इंद्रपुर गांव में मंगला निवासी हिस्ट्रीशीटर शिव अवतार उर्फ सीबीया के साथ नलकूप के पास मुठभेड़ हो गई। बदमाश ने पुलिस पर फायर कर दिया। इस घटना में सिपाही हर्ष कुमार के सीने में गोली लगी और उपचार के लिए उसे मुरादाबाद के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई। शहीद कांस्टेबल मूलरूप से हाथरस कोतवाली क्षेत्र के श्याम नगर का रहने वाला था। उन्होंने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से गंभीर रुप से घायल बदमाश शिव अवतार उर्फ सीबीया को अमरोहा जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां पर उसकी भी मौत गई। बदमाश का एक साथी फरार हो गया,जिसकी तलाश में दबिश दी जा रही है।

न्यूज

रतलाम में 'मृतक' ही निकला शातिर हत्यारा डीएनए टेस्ट कराने पर हुआ खुलासा

एसपी तिवारी ने बताया कि पुलिस जांच के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि कमेड गांव का ही मदन नाम का एक व्यक्ति, जो लगभग दो वर्ष पहले हिम्मत पाटीदार के खेत पर मजदूरी करता था, 22 जनवरी को रात में अपने ही घर से खेत पर बोलकर निकला था। वो वापस घर नहीं पहुंचा है। इस तथ्य को केंद्रित कर जांच की गयी तो हत्या से जुड़ी परत दर परत खुलती गयीं। इसी के साथ अपराध से जुड़े कई अहम सुराग मिले। घटनास्थल से लगभग 500 मीटर की दूरी पर रोड के किनारे कपड़े व जूते मिले, जो मदन के थे और उनके परिजनों ने इन कपड़ों को पहचान लिया। इसके बाद पुलिस का शक पुख्ता हो गया और विधि विज्ञान प्रयोगशाला सागर से डीएनए टेस्ट के जरिए स्पष्ट हो गया कि मृत व्यक्ति हिम्मत पाटीदार नहीं, गांव का ही मदन मालवीय है। हिम्मत पाटीदार की हत्या के बाद काफी राजनैतिक बयानबाजी भी हुई थी। पुलिस ने इस मामले को सुलझाने के साथ उम्मीद जताई है कि आरोपी जल्दी ही उसकी गिरफ्त में आ जाएगा।

जींद विधानसभा उपचुनाव में 70 फीसदी मतदान

जींद, (एजेंसी)। हरियाणा की जींद विधानसभा सीट के उपचुनाव में आज अपराहन दो बजे तक लगभग 70 प्रतिशत तक मतदान हो चुका है। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और पहले चार घंटे में ही इसने 35 प्रतिशत का आंकड़ा छू लिया था। मतदाताओं विशेषकर युवाओं और महिलाओं में मतदान के प्रति काफी उत्साह देखा जा रहा है। सुबह कड़ाके ही ठंड और धुंध के चलते मतदान काफी धीमा था लेकिन दिन चढ़ने और मौसम खुलने के साथ इसमें तेजी आई है और मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लम्बी कतारें लग गई हैं। मतदान सायं पांच बजे चलेगा। इस उपचुनाव में कुल 21 उम्मीदवार अपनी राजनीतिक किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें मुख्य रूप से मुकाबला राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के उम्मीदवार डॉ. कृष्ण मिड्ढा, कांग्रेस के रणदीप सिंह सुरजेवाला, इंडियन नेशनल लोकदल(इनेलो) के उम्मेद सिंह रेढू और इनेलो से टूट कर अस्तित्व में आई जननायक जनता पार्टी (जजपा) के दिग्विजय सिंह चौटाला के बीच देखा जा रहा है।

अभयारण्यों का सुरक्षा ऑडिट पूरा

नईदिल्ली (एजेंसी)। देश के 50 में से 25 बाघ अभयारण्यों का सुरक्षा ऑडिट पूरा हो चुका है और सरकार का कहना है कि वह बाघों के संरक्षण में हर प्रकार की मदद देने के लिए तैयार है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु संरक्षण मंत्री डॉ. हर्षवर्द्धन ने सोमवार को बाघों के संरक्षण पर तीसरी अंतरराष्ट्रीय समीक्षा बैठक के शुभारंभ करने के मौके पर कहा कि बाघों के संरक्षण में भी नवाचारी तरीके अपनाये जाने चाहिये। उन्होंने कहा कि हमारी आकांक्षाओं का नया भारत सिर्फ मानवों के लिए ही नहीं है, इसमें वन्य जीवन का हर पहलू शामिल है। उन्होंने इस मौके पर बाघ संरक्षण पर एक रिपोर्ट भी जारी की। राष्ट्रीय बाध संरक्षण प्राधिकरण के सदस्य सचिव अनूप नायक ने बताया कि पिछले साल देश में पहली बार बाघों की सुरक्षा स्थिति का ऑडिट करने का फैसला किया गया। इसके तहत 25 बाघ अभयारण्यों का ऑडिट अब तक पूरा किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि हालाँकि देश में बाघों की सुरक्षा को लेकर कड़े नियम हैं तथा सभी राज्यों और बाघ अभयारण्यों के अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप सुरक्षा योजना बनाना और उसे लागू करना जरूरी है। इसके बावजूद हम कभी निश्ंचित नहीं हो सकते। सुरक्षा को निरंतर बेहतर बनाना जरूरी है। इसी उद्देश्य से पिछले साल सुरक्षा ऑडिट की शुरुआत की गई थी।

डॉ. हर्षवर्द्धन ने सरकार की ओर से हर प्रकार की मदद का आश्वासन देते हुए बताया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में बाघ संरक्षण के लिए बजट दुगुणा हुआ है। पाँच नये बाघ अभयारण्य बनाए गए हैं जिससे इनके क्षेत्र में चार हजार वर्ग किलोमीटर का इजाफा हुआ है।

लोस चुनाव परिणाम के बाद होगी भारत से वार्ता

दुबई, (एजेंसी)। पाक के एक बड़े मंत्री ने कहा कि पाक, लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद ही भारत के साथ शांति वार्ता को फिर से शुरू करने की कोशिश करेगा क्योंकि भारत से फिलहाल इस मुद्दे पर बात करना बेकार है और मौजूदा भारतीय सरकार से अभी किसी बड़े फैसले की उम्मीद भी नहीं है।

पाक का बयान

गल्फ न्यूज ने बताया कि पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि बातचीत के लिए यह समय सही नहीं है क्योंकि भारतीय नेता आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक कुछ स्थिरता नहीं होगी तब तक उनसे (भारत) बात करना बेकार है। चुनाव के बाद नई सरकार बनने पर हम इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

2017 में नहीं हुई कोई वार्ताः फवाद ने कहा कि पाकिस्तानी सरकार किसी भी भारतीय नेता और भारत के लोगों द्वारा चुनी गई पार्टी का सम्मान करेगी। जब मंत्री से पूछा गया कि शांति वार्ता के लिए कौन सा भारतीय नेता पाक के लिए सही है- नरेंद्र मोदी या राहुल गांधी, तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह कोई मायने नहीं रखता है और भारत में जिसकी भी सरकार आये हम उसके साथ बातचीत के लिए आगे बढ़ेंगे। बता दें कि 2016 में पाकन-आधारित आतंकवादियों द्वारा किए गए आतंकी हमलों और पीओके के अंदर भारत के सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भारत-पाक संबंध तनावपूर्ण हो गए। 2017 में दोनों देशों के बीच कोई द्विपक्षीय वार्ता नहीं हो पाई।

हो गई थी वार्ता रदद्ः भारत सतत एक ही बात कह रहा है कि आतंक और वार्ता एक साथ संभव नहीं। चौधरी ने कहा कि पिछले साल नवंबर में भारत-पाक के बीच करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन दोनों देशों के बीच एक उल्लेखनीय विकास है क्योंकि इससे न केवल सिख समुदाय को मदद मिलेगी बल्कि भारत-पाक संबंधों को भी फायदा होगा।

साधा निशाना कांग्रेस की हुड्डा सरकार ने 10 साल में दीं केवल 18 हजार नौकरियां

भाजपा शासन ने 4 वर्ष में 54 हजार नौकरियां दीं

हिसार ■ एजेंसी

हरियाणा के वित एवं राजस्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा है कि राज्य की मौजूदा भाजपा सरकार ने अपने चार साल के शासनकाल में अब तक 54 हजार युवाओं को नौकरियां दी हैं जबकि पिछली भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दस सालों में केवल 18 हजार नौकरियां ही दी गई थीं। हमारे 10 साल के शासनकाल में नौकरियां देने का आंकड़ा सवा लाख को पार करेगा। कैप्टन

अभिमन्यु ने माढा गांव में एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार को दस साल का शासनकाल मिले तो नौकरियों का उसका यह आंकड़ा सवा लाख को पार करेगा। उन्होंने इस मौके पर 22 लाख रु. से निर्मित आम चौपाल, 12 लाख रु. से बनी नायक चौपाल तथा शहीद भगत सिंह की प्रतिमा का भी उद्घटन किया। उन्होंने माढा के लिए अलग से तैयार किए गए फीडर का भी शुभारंभ किया जिससे गांव को 18 घंटे बिजली आपूर्ति होगी।

सिफारिश से नहीं दी नौकरी

वित्त मंत्री ने कहा कि गत चार साल में सरकार ने किसी सिफारिश, पर्ची या पैसे के लेन-देन के बिना योग्य और प्रतिभाशाली युवाओं को नौकरियां दी हैं, क्योंकि सरकार यह मानती है कि पर्ची और धांधली से भर्ती होने वाले युवा 30 साल तक लोगों की क्या सेवा करेंगे। हाल ही में हुई ग्रुप-डी की भर्तियों में किसी को उन्हें पर्ची देने की जरूरत नहीं पड़ी जबकि राज्य के सभी 90 हलकों में नारनौंद हलके के युवाओं की सर्वाधिक नौकरियां लगी हैं।

चार कॉलेज तो दस साल मुख्यमंत्री रहने वालों के हलकों में भी नहीं

वित्त मंत्री ने कहा कि दूसरे दलों के नेता सोचते हैं कि युवा पढ़-लिखकर क्या करेंगे लेकिन मौजूदा सरकार ने शिक्षा की रोशनी हर घर तक पहुंचाने के लिए नारनौंद हलके में चार कॉलेज और चार आईटीआई शुरू की हैं। जरूरत और मांग के अनुसार स्कूल अपग्रेड किये गये हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चार कॉलेज तो दस साल मुख्यमंत्री रहने वालों के हलकों में भी नहीं हैं। निष्पक्ष भर्तियां शुरू होने से गरीब मां-बाप भी अब अपने बच्चों को भरोसे के साथ कहने लगे हैं कि बेटा पढ़-लिख लो, मेहनत करने से तुम्हें नौकरी जरूर मिलेगी। हलके के सर्वांगीण विकास और रोजगार के लिए उद्योग-कारखानों का होना जरूरी है जिसके लिए 24 घंटे बिजली आपूर्ति जरूरी है। इसके लिए सरकार ने विशेष सब्सिडी देकर बिजली दरें 50 प्रतिशत तक कम कर दी हैं और प्रदेश के छह जिलों के 2800 गांवों को 24 घंटे बिजली देनी शुरू कर दी है।

क्रांति समय

संपादकीय

मुस्लिम आरक्षण का मायाजाल

लोकसभा चुनाव के पास आते ही मायावती ने मुस्लिमों के आरक्षण की वकालत की है। यह कदम मुस्लिमों के वोट बैंक को अपने पाले में झुकाने से ज्यादा कुछ नहीं है। मायावती अगर वास्तव में मुसलमानों के कल्याण की चाह रखती हैं, तो फिर उन्हें सच्चर कमेटी द्वारा दी गई सिफारिशों को लागू करने का वादा करना चाहिए। यूपी के 40 जिलों और 27 संसदीय क्षेत्रों में मुस्लिम आबादी निर्णायक होती है। मायावती की नजर इन्हीं वोटर पर है।

अरबी में कहा जाता है, अल हक्कू मुर्रुन सच यानी सच कड़वा होता है। भारत में मुसलमान सियासी दलों के लिए वह बेशकीमती मोहरा हैं जिसे काल और परिस्थितियों के अनुसार ही जमाया, आजमाया और खूब भुनाया भी जाता है। अब बसपा सुप्रीमो मायावती ने सियासी मैदान में मुस्लिम आरक्षण का पासा फेंक दिया है। 17 करोड़ की आबादी वाले मुस्लिमों के वोट बैंक पर सबकी नजर होती है और उनकी बेहतरी के लिए आरक्षण देने का वादा सबसे बेहतरीन दांव माना जाता है। उत्तर प्रदेश वह राज्य है जहां से दिल्ली की सत्ता हासिल होती रही है और इस राज्य में करीब 19 प्रतिशत मुसलमान हैं। कुछ महीनों बाद लोकसभा चुनाव होने हैं। अतः मायावती ने मुस्लिम आरक्षण का दांव सोच समझ कर सही समय पर खेला है। दरअसल, आरक्षण आधुनिक भारत का वह अस्त्र है जिससे भीड़ को ठगा जा सकता है, लुभाया जा सकता है और उज्ज्वल भविष्य के सुनहरे सपनों में बांटा भी जा सकता है। तो जाहिर है नेता सत्ता में बने रहने के लिए इसका बार-बार उपयोग करते हैं। चुनाव को देखते हुए केंद्रीय राजनीति ने सवर्ण आरक्षण का नुस्खा आजमा लिया है। अतः इस समय मायावती को मुसलमानों के लिए नौकरियों में दस फीसदी आरक्षण देने की वकालत करने का मुफीद वक्त नजर आया है।

इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि अंग्रेजों ने भारत की सत्ता में बने रहने के लिए आरक्षण का खेल शुरू किया था। बाद में इसे स्वतंत्र भारत में भी सत्ता के शीर्षासन का साधन बना लिया जाएगा, इसकी कल्पना न तो अंबेडकर को होगी और न ही सामाजिक न्याय के असल पैरोकारों को। मायावती देश के सबसे बड़े सूबे की मुख्यमंत्री रही हैं और उस दौर में उन्होंने मुसलमानों की बेहतरी के लिए कुछ प्रयास किए होते तो उसका असर मुस्लिमों की जिंदगी पर जरूर पड़ा होता, लेकिन सियासत की यह हकीकत है कि जनता की बेहतरी की जो योजनाएं विपक्ष में सूझती हैं, वह सत्ता में रहने पर तो कभी परवान चढ़ ही नहीं पातीं। विपक्ष में सामाजिक न्याय के लिए अक्सर हुंकार भरने का सियासी रिवाज रहा है जबकि सत्ता में आने पर वह स्थापित व्यवस्थाओं की भेंट चढ़ जाती है। देश के सर्वाधिक आबादी वाले प्रांत उत्तर प्रदेश में करीब 3.84 करोड़ मुसलमान हैं। मायावती राज्य की चार बार मुख्यमंत्री रही हैं। मुसलमानों की बेहतरी के लिए बहुचर्चित सच्चर रिपोर्ट को 30 नवंबर 2006 को लोकसभा में पेश किया गया था और उसके कुछ महीनों बाद ही मायावती चौथी बार राज्य की मुख्यमंत्री बनी थीं और उनका कार्यकाल 2007 से 2012 तक रहा था। 30 नवंबर,2006 को सच्चर रिपोर्ट लोकसभा में पेश की गई थी। इसके जरिए पहली बार मालूम हुआ था कि भारतीय मुसलमानों की स्थिति अनुसूचित जाति-जनजाति से भी खराब है। इसे सुधारने जस्टिस राजिंदर सच्चर ने 10 सिफारिशें कीं जो इस प्रकार थी।

पहली सिफारिश शिक्षा सुविधा पर आधारित है जिसके अनुसार 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराना, मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में सरकारी स्कूल खोलना, स्कॉलरशिप देना, मदरसों का आधुनिकीकरण करना आदि है। दूसरी सिफारिश रोजगार पर है जिसके अनुसार रोजगार में मुसलमानों का हिस्सा बढ़ाना, मदरसों को हायर सेकंडरी बोर्ड से जोड़ने की व्यवस्था बनाना है। तीसरी सिफारिश ऋण सुविधा पर आधारित है जिसमें प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के मुसलमानों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराना और प्रोत्साहन देना, मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में और बैंक शाखाएं खोलना आदि शामिल किया गया है। चौथी सिफारिश कौशल विकास पर आधारित है जिसके अनुसार मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में कौशल विकास के लिए आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थान खोलना है। पांचवी सिफारिश वक्फ पर है जिसके अंतर्गत वक्फ संपत्तियों आदि के बेहतर इस्तेमाल की बात कही गई है। इसके बाद विशेष क्षेत्र विकास की पहलें जैसे गांवों, शहरों, बस्तियों में मुसलमानों सहित सभी गरीबों को बुनियादी सुविधाएं, सरकारी स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, चुनाव क्षेत्र के परिसीमन प्रक्रिया में इसका ध्यान रखना कि अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों को आरक्षित न किया जाए आदि सुझाव दिए गए है।

इन सिफारिशों को संसद में पेश किए जाने के कुछ ही महीनों बाद सत्ता में आने वालीं मायावती उत्तरप्रदेश में पांच साल तक मुख्यमंत्री रहीं जहां देश की सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी रहती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, तराई वाले इलाके और पूर्वी उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर मुस्लिम बाहुल्य इलाके हैं, वहां आम मुसलमान बद से बदतर हालात में जीवन जीने को मजबूर हैं। उत्तर प्रदेश में 25 फीसदी मुस्लिम बच्चे मदरसों में पढ़ाई करने जाते हैं लेकिन मायावती के राज में उनकी स्थिति भी बदतर ही रही। सर सैयद अहमद खां 19वीं सदी में मुसलमानों के पिछड़ेपन को लेकर परेशान थे, लेकिन हकीकत में मुसलमान की समस्या आज भी इस समय भी जस की तस है। गरीबी, पिछड़ापन और अशिक्षा से मुसलमान तब भी मुक्ति चाहते थे और अब भी जीवन में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। उत्तरप्रदेश की साक्षरता दर 67 फीसदी की तुलना में मुस्लिम साक्षरता दर 37.28 प्रतिशत है। उनका शैक्षणिक पिछड़ापन बदस्तूर जारी है। इस चमकते भारत की जो सियासी तस्वीर दिखाई जाती है उसमें मुसलमानों की हकीकत कहीं दिखाई नहीं देती। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और रोजगार को लेकर मुस्लिम इलाकों में न तो कोई दीर्घकालीन योजना लागू की गई है और न ही बेहतरी के लिए कोई विशेष इंतजाम नजर आते हैं।

उत्तर प्रदेश की 403 सीटों में से करीब 130 से 135 सीटें ऐसी हैं जहां मुसलमानों का वोट निर्णायक साबित होता है, यहां मुसलमानों का भरोसा हासिल किए बिना किसी भी उम्मीदवार के लिए जीत हासिल करना मुश्किल है। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम वोटरों की तादाद 20 फीसदी है। समाजवादी पार्टी-बसपा गठबंधन की ख्वाहिश यही है कि मुसलमानों का एकमुश्त वोट उसे मिले और केंद्र की सत्ता की कुंजी उनके हाथों में आ सके। बसपा ने पिछले विधानसभा चुनाओं में 403 सीटों में से 97 यानि 24 फीसदी मुसलमानों को मैदान में उतारा था। यूपी के 40 जिलों और 27 संसदीय क्षेत्रों में मुस्लिम आबादी निर्णायक है। मायावती की नजर इन्हीं वोटर पर है। विडंबना ही है कि विभाजन के सात दशक बाद भारत में अब भी मुसलमानों को सरकार बनाने और बिगाड़ने का माध्यम समझा जाता है और उनका उपयोग उसी तर्ज पर किया जाता है। मुसलमानों की असल समस्या गरीबी, पिछड़ापन और अशिक्षा है। वह गंदी बस्तियों और कीचड़ से सनी जिंदगी से मुक्ति चाहता है। पर इसे दूर करने का माद्दा आज तक किसी में नहीं दिख रहा है। मुस्लिमों की बेहतरी उस आरक्षण में बताई जा रही है, जिसका मिलना मुमकिन नजर नहीं आता। वैसे भी आरक्षण से इस देश की प्रगति हुई होती तो दुनिया के सबसे ज्यादा गरीबी, बेरोजगारी, बेगारी कब का खत्म हो गई होती।

मुसलमानों को आरक्षण देने की कवायद महज सियासी होती है, इसके बाद की संवैधानिक पेचीदगियों से सब वाकिफ हैं। आंध्रप्रदेश में ऐसे आरक्षण देने की कोशिशों का हश्र सब देख चुके हैं। मायावती यदि मुसलमानों की बेहतरी वास्तव में चाहती हैं तो फिर उन्हें आरक्षण का दिवास्वप्न दिखाने के बजाय सच्चर कमेटी की उन सिफारिशों को लागू करने का वादा करना चाहिए जिससे मुस्लिम महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ें। बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके, युवाओं का रोजगार सुनिश्चित हो, मदरसों का आधुनिकीकरण किया जाए, कौशल विकास केंद्र खोले जाएं और उनके रोटी कपड़ा व मकान के पुख्ता बंदोबस्त किए जाएं। बहरहाल, मायावती आरक्षण के मायाजाल से देश के मुसलमानों को मोहित करने की कोशिश तो कर रही हैं लेकिन इसमें भला कहीं नजर नहीं आता है।

डॉ. ब्रहमदीप अलूने
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

ऑनलाइन गेम पर पाबंदी जरूरी

ऑनलाइन गेम पर रोक लगाने और बच्चों को इसकी लत में जाने से बचाने की कोशिशों में जुटी सरकारों व समाज के सामने गुजरात राज्य ने नजीर पेश की है। अब इस तरह का निर्णय दूसरे राज्यों को लेना होगा, क्योंकि यह हमारे बच्चों की जिंदगी से जुड़ा मसला है।

आजकल बच्चे बाहर खेलने जाने से ज्यादा ऑनलाइन गेम खलने में ज्यादा रुचि रखते है। कुछ ऑनलाइन गेम इस तरह के होते है जो बच्चों के लिए घातक साबित होते है। कुछ समय पहले भारत में ऐसे ही खतरनाक ऑनलाइन गेम ने दस्तक दी थी जिसका नाम था ब्लू व्हेल गेम। इस गेम ने भारत और रूस के सैकड़ों बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया था। इससे कई बच्चों ने अपनी जान गंवा दी थी। ऑनलाइन गेम पर रोक लगाने और बच्चों को इसकी लत में जाने से बचाने की कोशिशों में जुटी सरकारों व समाज के सामने गुजरात राज्य ने नजीर पेश की है। गुजरात सरकार ने प्रशासन से ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाने को कहा है। गुजरात राज्य बाल सुरक्षा आयोग ने राज्य प्राथमिक शिक्षा विभाग से ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी। स्कूलों में बच्चों पर निगरानी रखी जाएगी, ताकि वे ऑनलाइन गेम न खेलने पाएं। राष्ट्रीय बाल सुरक्षा आयोग ने देशभर में इस गेम को प्रतिबंधित करने की वकालत की है। इससे पहले जम्मू और कश्मीर की स्टूडेंट एसोसिएशन ने 10वीं और 12वीं के खराब परीक्षा परिणामों के चलते इस गेम पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी।

गुजरात सरकार का यह प्रयास ऑनलाइन गेम के प्रति सख्त रवैया दिखाने का है। इस तरह के प्रयासों से ही बच्चों को ऑनलाइन गेम की लत से दूर रखा जा सकता है। गुजरात सरकार के इस फैसले को अब सभी राज्यों को बिना पूर्वाग्रह के अपनाना चाहिए, क्योंकि यह हमारे बच्चों का मामला है। आम आदमी की जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा ऑनलाइन दौर में गुजर रहा है। शॉपिंग से लेकर मनोरंजन के साधन तक लोग ऑनलाइन खोज रहे हैं। हमारी इसी आदत ने ऑनलाइन गेम को हमारी जिंदगी में घुसने का मौका दिया है। अब ये गेम इंसानी जिंदगी में इस हद तक घुसपैठ कर चुके हैं कि लोगों की जिंदगी इससे प्रभावित हो रही है या कुछ लोगों की तबाह हो चुकी है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बच्चों को ऑनलाइन खेलों से दूर रहने की सलाह दी थी। असल में ऑनलाइन खेल की लत दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य समस्या बनकर उभरी है।

देश में इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के कारण बच्चे व युवा ऑनलाइन खेल की लत के गिरफ्त में आने लगे हैं। यही करण है कि भारत के एम्स व निम्हांस सहित 16 देशों के डॉक्टरों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को आगाह किया है और ऑनलाइन व ऑफलाइन गेम को बीमारी का दर्जा दिए जाने की वकालत की है। संभावना यह है कि डब्ल्यूएचओ अप्रैल 2019 में जारी होने वाली बीमारियों की सूची में ऑनलाइन व ऑफलाइन खेल की लत को भी शामिल कर ले। बीमारियों की सूची में शामिल होने पर चिकित्सा संस्थानों में इस पर बड़े पैमाने पर शोध हो सकेगा और उसके इलाज की नई तकनीक विकसित की जा सकेगी। लेकिन अभी जरूरत इस बीमारी को फैलने से रोकने की है। यह हमारी समझदारी से ही संभव भी है।

स्त्रियों का हौसला बढ़ाती कदमताल

इस वर्ष गणतंत्र दिवस की परेड, महिलाओं की कदमताल के लिए भी खास रही। नौसेना, भारतीय सेना सेवा कोर और सिग्नल्स कोर की एक यूनिट के दस्तों की अगुवाई इस वर्ष महिला अधिकारियों द्वारा की गई। गणतंत्र दिवस के मौके पर दिखी महिलाओं की भागीदारी की झलक कई मायनों में बदलाव का द्योतक है। महिलाएं आज हर क्षेत्र में प्रभावपूर्ण उपस्थिति दर्ज करवा रही हैं। हर बाधा को पार करते हुए आगे बढ़ रही हैं।

हाल ही में मनाया गया 70वां गणतंत्र दिवस भी हर वर्ष की तरह एक ऐसा अवसर था, जिसमें देश ने अपनी उपलब्धियों व संस्कृति से जुड़े गौरव और स्वाभिमान की जीवंत झाकियां देखीं। राजपथ पर शौर्य व शक्ति के प्रदर्शन के साथ ही सभ्यता और सांस्कृतिक विविधता को भी समग्र रूप से प्रस्तुत किया गया। देश के हर हिस्से का रंग राजधानी दिल्ली के राजपथ पर बिखर गया, जो देशवासियों को आत्मगौरव और भरोसे की सौगात देने वाला है। सुखद ही है हर बीतते साल के साथ भारत की उपलब्धियां और आत्मविश्वास दोनों बढ़ रहे हैं। नतीजतन इस साल महिलाओं की भागीदारी ने विस्तार पाया है। यह कदम भी बदलाव और हर क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती हिस्सेदारी की बानगी है।

इस वर्ष कई मायनों में विशेष रही गणतंत्र दिवस की परेड, महिलाओं की कदमताल के लिए भी खास रही। नौसेना, भारतीय सेना सेवा कोर व सिग्नल्स कोर की एक यूनिट के दस्तों की अगुवाई इस वर्ष महिला अधिकारियों द्वारा की गई। इतना ही नहीं डेयरडेविल्स टीम के पुरुष साथियों के साथ ही सिगनल्स कोर की एक सदस्या ने भी बाइक पर हैरतअंगेज करतब दिखाते हुए सलामी दी और पहली बार एक महिला अधिकारी द्वारा भारत सेना सेवा कोर के दस्ते का नेतृत्व किया गया। सशस्त्र सेना में तीसरी पीढ़ी की अधिकारी ने ट्रांसपोर्टेबल सैटेलाइट टर्मिनल के दस्ते का नेतृत्व किया जो कहीं न कहीं महिलाओं का मनोबल बढ़ाने और समानता का संदेश देने वाला है। असम राइफल्स के महिला दस्ते का पहली बार गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होना भी इतिहास रचने जैसा रहा।

असम राइफल्स की इस सैन्य टुकड़ी का नेतृत्व एक ऐसी अधिकारी ने किया जो एक बेटी की मां हैं। इस बार सेना की तीनों ही इकाइयों ने महिलाओं का खुले मन से स्वागत किया। ऐसे में इस वर्ष के गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजपथ, शौर्य और शक्ति प्रदर्शन के साथ ही लैंगिक समानता लाने की ओर उठते कई कदमों का भी साक्षी बना। यह देशवासियों का गौरव और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाने वाली बात है। इस बार गणतंत्र दिवस की थीम महात्मा गांधी की 150वीं जयंती से जुड़ी थी। इसीलिए राजपथ पर निकाली गई 22 झांकियों के जरिए बापू के जीवन से जुड़े अलग-अलग पहलुओं को आमजन के सामने रखा गया। बापू की यात्राओं, आंदोलनों, विचारों और समाज में जागरूकता लाने के प्रयासों को प्रभावी और मनमोहक झांकियों के माध्यम से दिखाया गया।

ऐसे में गणतंत्र दिवस की गांधीमय परेड में महिलाओं के नेतृत्व की बढ़ती भागीदारी बापू के विचारों का व्यावहारिक धरातल पर जीवंत रूप में दिखना भी कहा जा सकता है क्योंकि महिलाओं को लेकर बापू के विचार हमेशा उनके सबलीकरण के पक्ष में रहे हैं। उनके सद्विचारों में स्त्री जीवन की पीड़ा और आशाओं का भी अहम स्थान रहा है। महात्मा गांधी ने हमेशा इस बात को स्वीकार्यता दी कि स्त्री सार्वजनिक विकास का आधार है। गांधीजी हमेशा से ही सर्वोदय यानी समग्र विकास की सोच को लेकर आगे बढ़े, जिसमें पूरे समाज की उन्नति की बात की गई। बापू का मानना था कि महिला और पुरुष के बीच कोई भेद नहीं समझा जाना चाहिए, वे सिर्फ शारीरिक तौर पर एक दूसरे से भिन्न हैं। यकीनन आधी आबादी की सबलता देश व समाज को दोनों को पुख्ता आधार देती है। समानता का ऐसा परिवेश पूरी व्यवस्था को मजबूती देने वाला होता है। यह संदेश और बदलाव इस वर्ष राजपथ पर देखने को मिला।

दरअसल, गणतंत्र दिवस के मौके पर दिखी महिलाओं की भागीदारी की झलक कई मायनों में बदलाव का द्योतक है। भारतीय महिलाएं आज हर क्षेत्र में प्रभावपूर्ण उपस्थिति दर्ज करवा रही हैं। हर बाधा को पार करते हुए आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में राजपथ की परेड में स्त्रियों का नेतृत्वकारी भूमिका में होना आज की कामकाजी, महत्वाकांक्षी और साहसी महिलाओं की उम्मीदों को नए पंख देने वाला है। हालिया कुछ बरसों में महिलाओं की भागीदारी को अहमियत देने वाले ऐसे अवसर वाकई परिवर्तन की आशा जगाने वाले हैं। गौरतलब है कि 66वें गणतंत्र के मौके आयोजित परेड की थीम भी नारी शक्ति ही थी। इसीलिए महिला मार्चिंग दस्ते के नेतृत्व में ही परेड की शुरुआत हुई। यह भी एक ऐतिहासिक क्षण था, जब राजपथ पर पहली बार महिला दस्ते की अगुआई में परेड की शुरुआत हुई। गणतंत्र दिवस का यह पहला मौका था जब थल सेना, नौसेना और वायु सेना के महिला सैन्यदल भी परेड में शामिल हुए। इस वर्ष यह कदमताल एक कदम और आगे बढ़ी, जो कि महिलाओं के मजबूत इरादों और नेतृत्वकारी क्षमताओं को पुख्ता करने वाली रही है। उनकी भागीदारी को सशक्त भूमिका के रूप में रेखांकित करने वाली है।

निःसंदेह, बदलते भारत और इस बदलाव में महिलाओं की भूमिका की झलक इस गणतंत्र दिवस के मौके पर दिखी है। असम राइफल्स के महिला दस्ते का नेतृत्व करने वालीं मेजर खुशबू का कहना है कि यह बड़े गर्व का पल है मेरे लिए। भारत में लोगों की ऐसी सोच है कि सेना की नौकरी महिलाओं के लिए नहीं होती है बल्कि पुरुषों के लिए होती है, लेकिन परेड में हमारी भागीदारी से हम इस भ्रम को तोड़ रहे हैं। वहीं 144 जवानों वाली पुरुषों की बटालियन का नेतृत्व कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करवाने वाली लेफ्टिनेंट भावना कस्तूरी ने कहा कि मेरे परिवार में किसी ने कभी सेना की नौकरी नहीं की। मैं परिवार की पहली इंसान हूं जो सेना में शामिल हुई है। मेरे परिवार ने हमेशा मेरा उत्साहवर्धन किया। मैं देश की युवा लड़कियों से कहना चाहती हूं कि अपने सपनों का पीछा करो, कभी हार मत मानो, एक न एक दिन बुलंदियां कदम जरूर चूमेंगी।

यह कहना गलत नहीं होगा इन महिला अधिकारियों की सशक्त भागीदारी की बदौलत ही ये विचार सामने आ रहे हैं, जो आज की युवतियों में जोश और उम्मीदें जगाने वाला है। यह कटु है कि देश में संविधान ने तो महिलाओं और पुरुषों को समान नागरिक हक तो दिए हैं पर इन अधिकारों को जीने और अपना स्वतंत्र अस्तित्व गढ़ने के लिए आधी आबादी को कई मोर्चों पर भी संघर्ष का सामना भी करना पड़ा है। सुखद है कि देश की महिलाओं ने पूरे मनोयोग से हर स्तर पर यह लड़ाई लड़ी और गणतंत्र को सशक्त बनाने में अपनी प्रभावी भूमिका निभाई। तभी तो संघर्ष की लंबी राह पर चलते हुए हासिल की गई कई गर्व करने वाली उपलब्धियां उनके हिस्से हैं। ऐसे में देश की महिलाओं की इन उपलब्धियों और शौर्य के शानदार प्रदर्शन लिए यह गणतंत्र दिवस स्त्री सशक्तीकरण का एक यादगार अवसर बन गया जो कि आधी आबादी के लिए बेहतरी के भावी बदलावों की आशाएं हमारी झोली में डालने वाला है।

गणतंत्र दिवस की यह परेड उन लोगों के लिए भी एक सबक बनकर आई है, जो महिलाओं को घर की देहरी में रखने की सोच पाले हैं। आज महिलाओं की एक बड़ी आबादी एक घर से निकलकर दूसरे घर में जाने तक सीमित है। पहले मां-बाप के घर में तमाम बंदिशें और फिर ससुराल में ढकोसले, महिलाओं की नियति बन गई है। कई मौकों पर महिलाओं ने खुद को साबित किया है। मगर उन्हें अवसर हमारी सोच के चलते ही नहीं मिल पा रहे हैं। शहर हो या गांव, महिलाओं के प्रति संकुचित सोच हर जगह देखने को मिल जाती है। अब समय आ गया है कि हम महिलाओं को आगे बढ़ने का भरपूर अवसर दें और उनकी राह में बाधा न बनें।

डॉ. मोनिका शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

ऑनलाइन गेम पर रोक लगाने के लिए काम जारी है। जल्द ही इसका खाका तैयार हो जाएगा। हम बच्चों के भविष्य को बचाने के प्रति पूरी तरह गंभीर हैं।

राज्यवर्द्धन राठौड़, केंद्रीय मंत्री

ऑनलाइन गेम से बच्चों को बचाने के लिए हम अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं, पर सफलता तब तक नहीं मिल सकती, जब तक समाज के स्तर पर प्रयास न हो।

संध्या बजाज, सदस्य बाल अधिकार आयोग

सत्यार्थ

गरीब महिला का देशप्रेम

नेताजी सुभाषचंद्र बोस एक सभा को संबोधित कर रहे थे। तभी अचानक मंच पर चढ़ने का प्रयास करती हुई एक स्त्री पर उनकी नजर पड़ी। वह बिलकुल फटेहाल थी। सभी अचरज में थे और सभी के भीतर उत्सुकता थी कि आखिर वह चाहती क्या है? तभी उस स्त्री ने अपनी मैली-कुचैली साड़ी के छोर में बंधे तीन रुपए निकाले व नेताजी के पांवों के पास रख दिए। नेताजी हैरानी से उसे देख रहे थे। फिर उस स्त्री ने हाथ जोड़कर कहा- नेताजी, इसे स्वीकार कर लीजिए। आपने राष्ट्र के लिए सर्वस्व दान करने को कहा है। मेरा यही सर्वस्व है। इसके अलावा मेरे पास कुछ नहीं। सभा में मौजूद जनसमुदाय भी चकित था। नेताजी मौन रहे। वह महिला बोली- क्या आप मुझ गरीब के इस तुच्छ दान को स्वीकार नहीं करेंगे? क्या भारत माता की सेवा करने का गरीबों को अधिकार नहीं? नेताजी की आंखों में आंसू आ गए। बिना कुछ कहे उन्होंने रुपए उठा लिए। तब उस स्त्री की खुशी का ठिकाना न रहा। वह उन्हें प्रणाम कर चली गई। तभी एक अधिकारी ने पूछा-नेताजी, उस स्त्री से रुपए लेते हुए आपकी आंखों में आंसू क्यों आ गए थे? नेताजी बोले- मैं वाकई बहुत असमंजस में पड़ गया था। उस गरीब महिला के पास कुछ भी नहीं होगा। यदि मैं इन्हें भी ले लूं तो उसका सब कुछ छिन जाएगा और यदि नहीं लूं तो उस की भावनाएं आहत होंगी। देश की स्वाधीनता के लिए वह अपना सब कुछ देने आई थी। मना करने पर पता नहीं, वह क्या सोचती। हो सकता है, वह यही सोचने लगती कि मैं केवल अमीरों का ही सहयोग स्वीकार करता हूं। यही सब सोचकर मैंने यह महादान स्वीकार कर लिया। वाकई, धन्य हैं वे लोग, जिनमें देश सेवा की भावना प्रबल थी।

मनीषा देवी

न्यूज

एनबीसीसी बनाएगी विश्व स्वास्थ्य संगठन का भवन

नई दिल्ली । निर्माण क्षेत्र की नवरत्न कंपनी एनबीसीसी इंडिया लिमिटेड को दिल्ली में विश्व स्वास्थ्य संगठन के भवन का पुनर्निर्माण करने का 228 करोड़ रुपए का अनुबंध हासिल हुआ है। एनबीसीसी ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, मंत्रालय में सचिव प्रीति सूदन, विश्व स्वास्थ्य संगठन की क्षेत्रीय निदेशक पूनम खेत्रपाल सिंह की मौजूदगी में इस आशय के एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गये। इस द्विपक्षीय समझौते पर मंत्रालय में संयुक्त सचिव (अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य) लव अग्रवाल और एनबीसीसी के निदेशक (वाणिज्य) राजेंद्र चौधरी ने हस्ताक्ष्रर किये। समझौते के अनुसार एनबीसीसी नये भवन के निर्माण के संबंध में परामर्श देगी और निर्माण करेगी।

आरबीएल बैंक का मुनाफा 36 फीसदी बढ़ा

मुम्बई । निजी क्षेत्र के आरबीएल बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की 31 दिसंबर को समाप्त तीसरी तिमाही में 36 फीसदी बढ़कर 225.20 करोड़ रुपये हो गया। गत वित्त वर्ष की समान अवधि में बैंक ने 165.33 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया था। बैंक द्वारा आज जारी तिमाही परिणाम के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में गैर निष्पादित परिसंपत्तियों का बोझ घटकर 0.97 प्रतिशत से 0.72 प्रतिशत रह गया। बैंक की कुल आमदनी इस दौरान 1,409.01 करोड़ रुपये से बढ़क 2,012.99 करोड़ रुपये हो गयी।

टाटा पावर के मुनाफे में 67 फीसदी की गिरावट

मुम्बई । बिजली क्षेत्र की कंपनी टाटा पावर का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की 31 दिसंबर को समाप्त तीसरी तिमाही में 67.42 फीसदी घटकर 204.61 करोड़ रुपये रह गया। गत वित्त कंपनी की समान तिमाही में कंपनी ने 628.16 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी द्वारा जारी तिमाही वित्तीय परिणाम के मुताबिक, आलोच्य अवधि में उसकी कुल आमदनी 6,451.31 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,721.52 करोड़ रुपये हो गयी। इस दौरान कंपनी का कुल व्यय भी 6,611.71 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,721.71 करोड़ रुपये हो गया।

देश के दूरसंचार इतिहास में पहली बार, जियो फोन उपभोक्ताओं को रेल टिकट बुकिंग-रद्द और तत्काल जैसी सुविधाएं

जियो का रेल एप लांच

नई दिल्ली । मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो कंपनी के 4 जी वोल्टी फीचर फोन जियो फोन पर ग्राहकों के लिए भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की रेल टिकट की बुकिंग, रद्द कराने और पीएनआर की स्थिति की जानकारी हासिल करने जैसी कई अन्य सेवाएं उपलब्ध कराई हैं। जियो ने इसके लिए जियो रेल नाम का एक विशेष एप लांच किया है। देश के दूरसंचार इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब ग्राहक को किसी फीचर फोन पर इस प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराई गई हों। जियो रेल एप सेवा अभी जियो फोन और जियोफोन-2 के ग्राहकों के लिए उपलब्ध है।

जियो रेल एप के जरिये ग्राहक टिकट बुक कराने के अलावा उसे रद्द भी करा सकता है। रेल टिकट भुगतान के लिए ग्राहक डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या ई-वालेट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा जियो रेल एप पर पीएनआर स्थिति की जानकारी, रेलगाड़ी का समय सारणी, रेलगाड़ी के रुट्स और सीट उपलब्धता के बारे में भी जियोरेल एप से जानकारी हासिल की जा सकती है। स्मार्टफोन के लिए बने निगम के एप की तरह जियोरेल एप से भी ग्राहक तत्काल बुकिंग कर सकेंगे। जियोफोन के जिन ग्राहकों के पास आईआरसीटीसी का खाता नहीं है वह जियोरेल एप का उपयोग कर नया खाता भी बना सकते हैं।

पीएनआर स्थिति में बदलाव की जानकारी, ट्रेन लोकेटर और खानपान आर्डर जैसी सेवाएं भी इस एप पर जल्दी ही उपलब्ध होंगी। एप के जरिये टिकट बुकिंग काफी आसान हो जायेगी और जियोफोन ग्राहकों को बुकिंग के लिए लंबी लाइनों और एजेंटों से छुटकारा मिल जायेगा। रिलायंस जियो रेलवे का आधिकारिक सेवा प्रदाता है। कंपनी ने कुछ दिन पहले ही एयरटेल को मात देकर इसे हासिल किया है। रेलवे के साथ अपनी साझेदारी को और आगे बढ़ाते हुए रिलायंस जियो ने जियो रेल एप लांच किया है और उसे उम्मीद है कि यह सुविधा उसके ग्राहकों के लिए बहुत लाभकारी होगी।

वित्तीय, स्वास्थ्य और बैंकिंग समूहों में भारी बिकवाली

सेंसेक्स 369 अंक टूटा, निफ्टी में 119 अंक की गिरावट

मुम्बई । अधिकतर विदेशी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच वित्तीय, स्वास्थ्य और बैंकिंग समूहों में हुई भारी बिकवाली के दबाव में बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सोमवार को 368.84 अंक की तेज गिरावट के साथ 35,656.70 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 119 अंक की गिरावट में 10,661.55 अंक पर बंद हुआ।

अमेरिका में एक महीने से अधिक समय से जारी शटडाउन के खत्म होने से विदेशी बाजारों में रही शुरुआती तेजी का असर भी सेंसेक्स पर रहा। यह बढ़त के साथ 36,099.62 अंक पर खुला। अमेरिका और चीन के बीच होने वाली बातचीत तथा अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक के मद्देनजर निवेशकों के सतर्कता बरतने से अधिकतर विदेशी बाजारों में बिकवाली का दौर जारी रहा। इस दौरान आईटी और टेक कंपनियों में हुई लिवाली के दम पर सेंसेक्स शुरुआती पहर में 36,124.26 अंक के दिवस के उच्चतम स्तर तक पहुँचा। वित्तीय, बैंकिंग, बेसिक मटिरियल्स और ऑटो समूह में हुई बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स 35,565.15 अंक के दिवस के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में एक फीसदी से अधिक की गिरावट के कारण तेल एवं गैस समूह के सूचकांक भी गिरावट में रहे। अंततः सेंसेक्स गत दिवस की तुलना में 1.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 35,656.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 में से मात्र सात कंपनियाँ हरे निशान में जगह बना पायीं।

निफ्टी का ग्राफ भी सेंसेक्स की तरह रहा। यह बढ़त के साथ 10,792.45 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान 10,804.45 अंक के दिवस के उच्चतम और 10,630.95 अंक के निचले स्तर से होता हुआ यह गत दिवस की तुलना में 1.10 प्रतिशत की गिरावट में 10,661.55 अंक पर बंद हुआ।

जेट एयरवेज में निवेश की तैयारी शुरू

मुंबई । वित्तीय संकट से जूझ रही और गत दिसम्बर में बैंकों के ऋण की किस्त भरने में विफल रही निजी विमान सेवा कंपनी जेट एयरवेज ने नये निवेश और मौजूदा ऋण के बदले शेयर जारी कर ऋणदाताओं को नियंत्रक हिस्सेदारी देने की तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी ने बताया कि उसने 21 फरवरी को शेयरधारकों को विशेष बैठक बुलाई है जिसमें दो हजार करोड़ रुपये अंकित मूल्य के अतिरिक्त शेयर जारी करने और 25 हजार करोड़ रुपये की सीमा तक ऋण लेने की निदेशक मंडल को अनुमति दिये जाने का प्रस्ताव रखा जायेगा। इस समय कंपनी के कुल 20 करोड़ शेयर हैं जिनमें 18 करोड़ इक्विटी शेयर और दो करोड़ वरीय शेयर हैं। ये सभी शेयर 10 रुपये अंकित मूल्य वाले हैं। शेयरधारकों की बैठक में 50 करोड़ नये इक्विटी शेयर और 150 करोड़ नये वरीय शेयर जारी करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया जाना है। इस प्रकार शेयरों की संख्या 10 गुणा बढ़ाकर 220 करोड़ करने की कंपनी की योजना है। वरीय शेयर कंपनी में निवेश करने वाली दूसरी कंपनियों या उसके ऋणदाता बैंकों को जारी किये जायेंगे।

डीबीटी के माध्यम से हो रही उर्वरकों की कालाबाजारी

नई दिल्ली । सरकार ने यूरिया तथा अन्य सब्सिडी वाले उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने के लिए इसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की व्यवस्था की थी, लेकिन अब डीलर उसी व्यवस्था की कमजोरी का लाभ उठाकर कालाबाजारी कर रहे हैं। जायद यानी ग्रीष्मकालीन फसलों पर पिछले सप्ताह यहाँ आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन के दौरान उत्तर प्रदेश के कृषि निदेशक सोराज सिंह ने केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला की मौजूदगी में यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, ''डीबीटी विफल हो चुका है। कालाबाजारी के कारण राज्य में यूरिया की कृत्रिम कमी पैदा हो गयी है। श्री सिंह ने यूनीवार्ता को बताया कि मंत्री ने उन्हें समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है।

मारुति की हैचबैक बलेनो का नया अवतार, कीमत 8.77 लाख तक

नई दिल्ली । देश की यात्री कार वर्ग की अग्रणी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी प्रीमियम हैचबैक बलेनो का नया अवतार सोमवार को बाजार में उतारा। इसकी कीमत पाँच लाख 45 हजार रुपये से आठ लाख 77 हजार रुपये (एक्स शोरूम) तक होगी। पुरानी मॉडल की तुलना में नये रूप में बलेनो को काफी बोल्ड और बाहरी तथा अंदरुनी हिस्से की साज सज्जा को बेहतर बनाया गया है। इसके नये अवतार में सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। कंपनी के बिक्री एवं विपणन विभाग के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक आर.एस. कलसी ने नयी बलेनो को पेश करते हुये कहा कि कंपनी ने हमेशा ग्राहकों की रुचि का ध्यान रखा है। बलेनो नये अवतार में अपने वर्ग में और मजबूत पहचान बनायेगी। प्रीमियम हैचबैक वर्ग में बलेनो ने अपना स्थान बनाया और 38 माह में ही पाँच लाख की बिक्री का आँकड़ा पार किया। नये अवतार की बलेनो के पेट्रोल इंजन मैन्युअल ट्रांसमिशन की कीमत 5.45 लाख से 7.45 लाख रुपये और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का दाम 7.48 लाख से 8.77 लाख रुपये के बीच है।

बाजार समीक्षा — गन्ना भुगतान को लेकर चीनी मिलें व सरकार परेशान

मिलों पर शकर बिक्री का दबाव

इंदौर। घरेलू बाजारों में शकर के नीचे दाम व निर्यात मांग नगण्य होने से कीमतों में मंदी का रुख देखा जा रहा है। लिहाजा, चीनी मिलों का घाटा निरंतर बढ़ रहा है। इस वजह से गन्ना किसानों का बकाया इस सीजन के अंत में 40-45 हजार करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अंदेशा है।

गौरतलब है चीनी उद्योग के लिए सरकार ने इस सीजन के मिल शकर का न्यूनतम बिक्री मूल्य 2900 रु क्विंटल तय किया है, जो ट्रक भाड़ा व अन्य खर्चों को जोड़कर बाजारों में 3250-3350 रु क्विंटल बैठती है, जबकि वर्तमान में बाजार मूल्य 3150-3200 रु क्विं. चल रहे हैं। वहीं सरकार ने चीनी निर्यात वास्ते परिवहन सब्सिडी घोषित कर रखी है, लेकिन विदेशी बाजारों में मूल्य इतने नीचे हैं कि निर्यात होना मुश्किल हो रहा है। भारत में पिछले 3 वर्षों से शकर उत्पादन इसकी खपत से ज्यादा होने से मिलों के पास शकर स्टॉक का बोझ लगातार बढ़ रहा है, जिसे कम करने के लिए मिलों को लागत से भी कम मूल्यों पर शकर बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। देश में इस साल लोकसभा चुनाव होना है। ऐसी स्थिति में चीनी की कीमतों को लेकर सरकार की परेशानियां भी निरंतर बढ़ती जा रही है।

सोना साढ़े पांच वर्ष की ऊंचाई पर, चांदी भी उछली

इंदौर। सोना-चांदी की कीमतों में तेजी के चलते जहां ग्लोबल मार्केट में दाम 1300 डॉलर के पार 7 माह की ऊंचाई छू गए, वहीं भारतीय बाजारों में सोना साढ़े पांच वर्ष के ऊंचे स्तर पर जा पहुंचे। इंदौर सराफा बाजार में शाम 7.30 बजे पूर्व कारोबारी दिवस शुक्रवार की तुलना में सोना 415 रु प्रति 10 ग्राम बढ़कर 33625 के स्तर पर बंद हुआ, वहीं चांदी 725 रु किलो उछलकर 40450 के स्तर पर बंद हुई। कारोबार में सोना ऊंचे में 33650, नीचे में 33600 रु व चांदी ऊंचे में 40510, नीचे में 40425 रु पर नजर आई थी। ग्लोबल मार्केट में सोना ऊंचा 1304.8 नीचा 1298.7 डॉलर व चांदी ऊंची 1589, नीची 1562 सेंट पर थी।

सोयाबीन वायदा 31 माह के ऊंचे स्तर पर

इंदौर। सोयाबीन में एकतरफा तेजी के चलते वायदा मूल्य 3900 रु के पार 31 माह के ऊंचे स्तर पर जा पहुंचे। समर्थन में सरसों, रायडा तथा सोया व पाम तेल भी मजबूत थे। सोयाबीन आवक प्रदेश में 90 हजार बोरी दर्ज हुई। दाम बढ़कर मंडी में 3800-3900, प्लांट सौदों में 3885-3975 तक के बताए जा रहे थे। कुछ प्लांट 4000 रुपए से ऊपर भी खरीदी में थे। सोया डीओसी 33300 -33500 रु प्रति टन बताई गई। घरेलू बाजार में खाद्य तेल में तेजी के चलते दाम प्रति 10 किलो सोया रिफा. 780-782, साल्वेंट 745-750, मुंबई 770, डिगम 735, पाम तेल मुंबई 645, इंदौर 695, कपास्या तेल 705-720, मूंगफली तेल 970-990 मुंबई 975, गुजरात 950 रु पर मजबूत थे। सरसों आवक देशभर में कमजोर थी। तेल कंडीशन आधारित सरसों 4210-4215 रु पर मजबूत बताई जा रही थी। कपास्या खली मे भी तेजी के चलते दाम बढ़कर प्रति 60 किलो इंदौर 1375, देवास-उज्जैन 1375-1380, खंडवा-बुरहानपुर 1355-1360 रु प्रति बोरी व अकोला प्रति क्विंटल 2100 रु बताई गई।

रबी फसलों की बुआई गत वर्ष से 4.90 प्रश. पिछड़ी

नई दिल्ली। कृषि विभाग के अनुसार देश में गेहूं बुवाई 2.53, दलहन 6.13, मोटे अनाज 13.93 व धान रोपाई 21.32 फीसदी कम हुई है। इस वजह से देशभर में रबी फसल की कुल बुवाई 4.90 फीसदी घटकर 591.64 लाख हेक्टे. हुई है, जो गत वर्ष 622.12 लाख हेक्टेयर हुई थी। जारी आंकड़ो के मुजब गेहूं बुवाई 304.08 लाख से घटकर 296.37 लाख, दलहन की 160.97 से घटकर 151.10 लाख मोटे अनाज की 54.63 लाख से घटकर 47.02 लाख, हेक्टेयर में ही हुई है । तिलहन बुवाई 79.49 से घटकर 79.10 लाख हेक्टेयर हुई है। सरसों की बुवाई 3 फीसदी बढ़कर 68.81 लाख हैक्टेयर हुई, जो पिछले साल 66.80 लाख हेक्टेयर थी।

डॉलर चना व तुवर में उछाल

इंदौर। डॉलर चने में जोरदार मांग के बीच कीमतों में तेजी का रुख था। मंडी में दाम 5500-6500 तथा निर्यात सौदों में 6500-6750 रु क्विंटल बताए गए। तुवर बढ़कर महाराष्ट्र की सफेद 5700, कर्नाटक 5550 रु थी। दालों मे चना दाल 50-100 रु मंदी थी।

शाम को मंडी में चनाकांटा 4175-4225, विशाल 4050-4125, मसूर 4140 -4150, मूंग बेस्ट 5500-5700, एवरेज 4800-5200, उड़द 5000-5200, एवरेज 4000-4700, हल्की 3000-3500, तुवर महाराष्ट्र सफेद 5700, कर्नाटक 5550, लोकल तुवर 4500-5000 रु थी।

चना, मसूर, उडद की बुआई घटी

रबी दलहन की प्रमुख फसल चना की बुवाई 95.99 लाख हेक्टेयर हुई है जो गत वर्ष 106.55 लाख थी। मसूर की 17.18 लाख से घटकर 16.88 लाख, उड़द की 8.10 से घटकर 7 लाख हेक्टेयर रह गई। मटर की बुवाई 9.33 से बढ़कर 10.38 लाख हेक्टेयर हुई है।

नारियल मजूबत, जीरा गिरा

बादाम आंशिक नरम, करेली में 60 गाड़ी गुड़ आवक

इंदौर। पोंगल की वजह से गत 8-10 दिन से नारियल की आवक कम होने से घरेलू बाजार में स्टॉक नाममात्र का रह गया। वैवाहिक मांग के चलते कीमतों में तेजी का रुख था। दाम बढ़कर 1500-1825 रु बोरी के बताए गए।

जीरे में नई फसल की आवक बढ़ने से कीमतों पर दबाव देखा जा रहा है। स्थानीय बाजार में दाम 3 रु गिरकर पंजा 194, खुशबू 197 रु किलो रह गया। हल्दी, कालीमिर्च साबूदाना के दाम लगभग स्थिर थे।

करेली क्षेत्र में सोमवार को गुड़ की आवक करीब 60 गाड़ी रही। दाम स्थिर बताए गए। बादाम में उठाव सुस्त होने से दाम 10 रु घटकर 650-670 रु के रह गए। अन्य किराना जिंसों में व्यापार सुस्त था। खोपरा गोला में डिमांड बेहतर थी।

अंचल की मंडियां

नीमच : डॉलर चना, सोया तेज, कलौंजी, अजवाइन मंदे

नीमच, शंकर बंसल। मंडी में डॉलर चना , सोयाबीन, में तेजी रही, जबकि रायडा, कलौजी अजवाइन मंदे थे। भाव-गेहूं 1975-2275, जौ 1875-1931, मक्का 1800-1900 सोया 3500-4000, रायडा 3400-3700 अलसी 3900-4190 तारामीरा 3700-3800 मूंगफली 3200-4125, चना 3400-4012, उड़द 3200-4900, डॉलर चना 3800-5800, मसूर 3800-4004, पोस्ता 32000-59700, मैथी 3300-4700, धनिया 4500-5900, अजवाइन 9600-11800, इसबगोल 6400-8900 कलौंजी 7300-9100, असालिया 3300-3500, तिल्ली 9800, असगंध 7500-20000 रु। **मंदसौर-** मक्का 1820-1872, उडद 2460-4051, सोयाबीन 3750-3915, गेहूं 1960-2152, चना 3201-4000, मसूर 3302-3902, धनिया 3560-5710, मैथी 3400-4291, अलसी 3658-4302 सरसों 3410-3702, , इसबगोल 8100-8751, कलौंजी 7778-9415, डॉलर चना 3601-6200, असालिया 3352-3600, तुवर 2952-3700, मटर 1380-2301 रु। **रतलाम-** गेहूं 1950-2284, चना 3182-4375, डॉलर 3781-6100, सोया 3560-3941 तुवर 4000-4701, मैथी 3101, बटला 1801-2500, उडद 3001-3830 रु। **खंडवा-**सोयाबीन 3400-3844, गेहूं 1861-2111, चना 3000-4031, उडद 3800-4551, तुवर 3350-5562, मक्का 1676-1702 रु। **महू-**सोया 3489-3902, चना 3598-4082, बिटकी 3897-4148 डॉलर 4155-5372, गेहूं 2058-2182, मक्का 1626-1696 रु। **खरगोन-** गेहूं 2075-2155, चना 3470-3841, ज्वार 1720-1786, मक्का 1554-1845, तुवर 4920-5445 सोया 3565-3856, डॉलर चना 4280-5100, मूंग 4701, उडद 4100 रु। **धार-** सोया 3200-3932, गेहूं 1882-2340 चना 2500-4735, डॉलर 3355-6700, मक्का 1600, मसूर 4032, तुवर 4305-4430 रु **बुरहानपुर-** गेहूं 1738-2082, ज्वार 1611-1841, मक्का 1720-1775, चना 2000-3900 रु।

सराफा बाजार

इंदौर	(शाम 6.00 बजे)
सोना कैडबरी	33650
चांदी पाट	40510
चांदी सिक्का	625
रतलाम	
सोना कैडबरी	33700
चांदी पाट	40300
चांदी सिक्का	650
उज्जैन	
सोना कैडबरी	33350
चांदी पाट	40200
चांदी सिक्का	675

वैश्विक दाम (शाम 7.30 बजे)

विवरण	सोना	चांदी
ऊंचे में	1304.80	15.89
नीचे में	1289.70	15.62
अंत में	1300.40	15.77

(वैश्विक दाम डॉलर प्रति औंस में)

बाजार भाव

किराना बाजार-	
शकर	3180-3200
गुड़ भैली 2350-2400	बर्फी 3500
लड्डू 2700-2750	कटोरा 2600-2650
साबूदाना चालू	4500-4900
वरलक्ष्मी 5200	सोल्जर 0000
1 किलो पैक 5800	आधा किलो 5860
खोपरा गोला	195-212
खोपराबूरा 15 किलो	2650-4350
नारियल 120 भर्ती	1500-1550
160 भर्ती	1525-1575
200 भर्ती	1700-1750
250 भर्ती	1775-1825
मसाले (प्रति किलो)	
हल्दी सांगली	136-138
निजामाबाद	100-120
हल्दी पीसी	1500-1700
कालीमिर्च कालामोती 350	दीपक 362
कालीमिर्च गणेश 386	मटरदाना 402
जीरा चालू किस्म	175-185
जीरा पंजा 194	खुशबू 197
जीरा सुपर बेस्ट	205-215
सौंफ मोटी 90-140,	बारीक 180-190
हरी इलायची	1450-1975
लौंग चालू 550-600	बेस्ट 610-625
दालचीनी 200-225	जायफल 630-660
जावित्री 1550-1850	सौंठ 225-300
बड़ी इलायची	625-750
धोलीमूसली 750-800	तेजपान 85-90

सूखे मेवे (प्रति किलो)	
काजू डब्ल्यू (240)	860-880
डब्ल्यू (320)	800-825
एस डब्ल्यू 300	765-770
टुकड़ी	760-770
खारक चालू 60-80	बेस्ट 100-125
बादाम 650-670	टांच 600-625
अखरोट 450-550	अंजीर 650-850
मखाना हल्का 625-750,	बेस्ट 800
किशमिश 300-370	इंडियन 220-290
मनुक्का 325-600	तरबूज मगज 150-160
चारौली 700-775	बेस्ट 800-850
केसर (प्रति ग्राम) ईरानी	120-128
केसर कश्मीरी	148-150
पिस्ता	1650-1700
खसखस 250-600	खजूर 60-80
अनाज (प्रति क्विंटल)	
गेहूं चालू	2100-2200
गेहूं 147 एवरेज	2200-2250
बेस्ट	2300-2350
लोकवन एवरेज	2150-2200
बेस्ट	2250-2300
चंदौसी	3100-3300
ज्वार दागी	1600-1900
ज्वार बेस्ट सीएच	2800-3100
मक्का पीली	1650-1700
मक्का गज्जर	1620-1650
गेहूं मिल डिलीवरी-	
इंदौर, पीथमपुर	2100-2200

जलगांव, धुलिया अमलनेर	2200
ठाणे	2400
पुणे 2400	नगर 2390
हैदराबाद 2425	औरंगाबाद 2400
बैंगलुरु	2425
चावल	**(प्रति क्विंटल)**
दयालदास अजीतकुमार -	2705397
बासमती 921	9000-9500
तिबार	7000-7500
दुबार	6500-7000
मिनी दुबार	6000
मोगरा	3500-5000
बासमती सैला	5500-7000
कालीमूंछ डिनर किंग	6000
राजभोग	5000
दुबराज	4000
परमल	2600-2700
हंसा सैला	2600-2700
हंसा सफेद	2300-2400
दालों के थोक दाम	**(प्रति क्विंटल)**
चना दाल एवरेज	5200-5300
चना दाल मध्यम	5400-5500
चना दाल बोल्ड	5600-5700
मसूर दाल छोटी	5000-5100
मसूर दाल बोल्ड	5200-5300
तुवर दाल चालू	6300-6400
तुवर दाल फूल	6700-6800
बोल्ड 7400-7500	नई 7600-7900
मूंग दाल एवरेज	6400-6500

मूंग दाल बोल्ड	6600-6800
मूंग मोगर पॉलिस्ड	7100-7200
मूंग मोगर बोल्ड	7400-7500
उड़द दाल चालू	5500-5600
उड़द दाल बोल्ड	5700-5800
उड़द मोगर	6800-7100
दलहन	**(प्रति क्विंटल)**
चना	4175-4225
विशाल चना	4075-4150
डॉलर चनाा नया	5500-6500
मसूर	4140-4150
तुवर कर्नाटक 5550	सफेद 5700
लोकल तुवर	4700-4900
उड़द बेस्ट	5000-5200
उड़द एवरेज	4000-5000
मूंग बेस्ट	5500-5700
मूंग एवरेज	4800-5000
तेल-तिलहन	**(प्रति 10 किलो)**
सोयाबीन रिफाइंड	780-782
सोया साल्वेंट	745-750
मुंबई सोया रिफाइंड	770
सोया डिगम	735
पाम तेल मुंबई	645
पाम तेल इंदौर	695
कपास्या तेल	705-720
मूंगफली तेल इंदौर	970-990
मुंबई	975
गुजरात लूज	950
राजकोट तेलिया टिन	1520

तिलहन	(प्रति क्विंटल)
सोयाबीन मंडी में	3800-3900
सोयाबीन प्लांट डिले.	3900-4000
सरसों कंडीशन	4225-4230
रायड़ा	3700-3900
तेल टिन	
वनस्पति	900-980
मूंगफली तेल	1580-1650
सनफ्लावर तेल	1350-1400
सोयाबीन तेल	1200-1280
सरसों तेल	1400-1425
खोपरा तेल	3050-3100
तिल तेल	1750-1760
कपास्या खली	**(प्रति 60 किलो)** टैक्स अलग
इंदौर	1375
देवास-उज्जैन	1375-1380
खंडवा-बुरहानपुर	1355-1360
अकोला (प्रति क्विंटल)	2100
मावा	**(प्रति किलो)**
इंदौर	240
उज्जैन	172
रतलाम	000-000
आटा-मैदा-बेसन	**(प्रति 50 किलो)**
आटा कट्टा	1180
मैदा कट्टा	1250
रवा कट्टा	1300
चना बेसन	3020-3030
बटरी बेसन	2770-2800

कपास मंडियां

मंडी	भाव	आवक
खरगोन	4800-5505	450 वाहन, 85 बैलगाड़ी
खंडवा	5100-5920	203 वाहन, 01 बैलगाड़ी
भीकनगांव	4700-5501	135 वाहन, 105 बैलगाड़ी
खेतिया	5100-5550	182 वाहन, 06 बैलगाड़ी
अंजड़	4790-5430	55 वाहन, 09 बैलगाड़ी
कुक्षी	4735-5504	149 वाहन, 09 बैलगाड़ी
कसरावद	5049-5427	24 वाहन, 11 बैलगाड़ी
धामनोद	4835-5405	70 वाहन, 16 बैलगाड़ी
करही	4685-5411	14 वाहन, 16 बैलगाड़ी
बड़वाह	4690-5475	58 वाहन, 63 बैलगाड़ी
रतलाम	4800-5840	544 क्विंटल

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सीधी-सिंगरौली वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

लालमणी चर्मकार
प्रधानाचार्य शासकीय
हाई स्कुल खम्हरिया

26 जनवरी 70 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सिंगरौली व देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाए

एकतीस चन्द्र बैस
अध्यक्ष भाजपा मंडल तियरा

26 जनवरी 70 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सिंगरौली व देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाए

संतोष दुबे, सिंगरौली (रिपोर्टर)

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सिंगरौली वासियों एवं देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

रिपोर्टर
फुलेस्वर - सिंगौली,
मध्यप्रदेश

आप सभी प्रदेशवासियों को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रमाश्राय दुबे
काटौली पोस्ट जरहा, कोवली
बैढ़न, सिंगरौली स्टेट

आप सभी प्रदेशवासियों को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री अनुराग चौधरी
कलेक्टर सिंगरौली

गणतंत्र दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बैढ़न इंडियन चिल्ड्रन अकेडमी स्कूल प्रथम स्थान प्राप्त किया

सिंगरौली मध्यप्रदेश, उपेन्द्र दुबे रिपोर्टर, सिंगरौली गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रम में बैढ़न में संचालित इंडियन चिल्ड्रन एकेडमी स्कूल ने आयोजित कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सभी छात्र छात्राओं व अभिवावकों ने प्रसन्नता जाहिर की वहीं हर वर्ष प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यक्रम में लगातार पाँच वर्षों से इंडियन चिल्ड्रन एकेडमी स्कूल ने अपना स्थान बरकरार रखा है संस्था प्रमुख जे.बी. गुप्ता एवं प्राचार्य नीलम अग्रहरी समस्त शिक्षकों छात्र-छात्राओं एवं समस्त अभिभावकों को लगातार पांच वर्षों से कार्यक्रम में भाग लेने पर एवं बधाई दिए एवं विद्यालय के ऑफिस बधाई देने वालों की ताता लगा हुआ है कुछ लोग फोन पर और कुछ लोग आकर विद्यालय के सांस्कृतिक प्रभारी नीलम अग्रहरी एवं संस्था प्रमुख समस्त बच्चों को बधाई देने के लिए अभिभावकों की कतार लगी हुई है जिसमें विद्यालय परिवार उन समस्त जिला प्रशासन के समस्त पदाधिकारी को विद्यालय परिवार।

विद्यालय के छात्र छात्राओं को पुलिस ने कराया कोतवाली थाने का भ्रमण

सिंगरौली। सिंगरौली थाना बैढ़न कोतवाली पुलिस ने स्कूली छात्र-छात्राओं को कोतवाली भ्रमण कराते हुए पुलिस कि कार्य पद्धति के संबंध में जानकारियां दी पुलिस कि भूमिका के संबंध में जानकारी कई तरह की जानकारियां देते हुए विभिन्न पहलुओं पर बातें की गई सिंगरौली पुलिस द्वारा जारी पहल के जरिए छात्र-छात्राओं को विवेचक कक्ष, शिकायत कक्ष, मालखाना सहित कोतवाली में रखें असलहों कि जानकारियां दी गई कोतवाली टीआई मनीष त्रिपाठी के नेतृत्व में चल रही इस पहल में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे छात्र-छात्राओं के सवालों के जवाब भी दिया गया इस दौरान थाने के पुलिस अफसर सहित सभी पुलिस स्टाप उपस्थित रहे

विंध्यनगर पुलिस की बड़ी कार्यवाही 3 ग्राम 80 मिली.ग्राम (हीरोइन) मादक पदार्थ के साथ दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

सिंगरौली। सिंगरौली विंध्यनगर 3 ग्राम 80 मिलीग्राम हीरोइन मादक पदार्थ कुल कीमती 30000 एवं एक अल्टो कार नंबर यूपी 640 7072 जप्त दो आरोपी को किया गिरफ्तार थाना विंध्यनगर पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक सिंगरौली हितेश चौधरी के निर्देश पर थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य अवैध गतिविधियों में संलग्न व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है इसी क्रम में दिनांक 27/01/2019 को भी नगर पुलिस के को जरिए मुखबीर सूचना पर आरोपी गढ़ क्रम से मुरली मनोहर सिंह उर्फ मुरारी पिता स्वर्गीय अर्जुन सिंह राजपूत उम्र 28 वर्ष निवासी गोपालगंज बिहार हाल एनएच एनटीपीसी कॉलोनी विंध्यनगर विनय कुमार पांडे पिता ज्ञानेंद्र प्रसाद पांडेय उम्र 30 वर्ष निवासी बहरी जिला सीधी एम क्यू 647 लेकर आ रहे हैं सूचना पर पुलिस द्वारा रेलवे क्रॉसिंग के पास नाका बंदी करते पकड़ा गया आरोपी मुरली मनोहर उर्फ मुरारी पिता स्वर्गीय अर्जुन सिंह राजपूत उम्र 28 वर्ष निवासी गोपालगंज बिहार हाल एन एच 1टाईप एनटीपीसी कॉलोनी विन्ध्यनगर और विनय कुमार पांडेय पिता ज्ञानेंद्र प्रसाद पांडेय उम्र 30 वर्ष निवासी नवसारी जिला सीधी एम क्यू 647 दूधिचुआ कॉलोनी सेक्टर बी के कब्जे से 3 ग्राम 80 मिलीग्राम हीरोइन मादक पदार्थ एवं एक अल्टो कार नंबर यूपी 64 जे 7072 कीमती 1,50, 000 जप्त कर अपराध क्रमांक 30/19 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्यवाही में पुलिस अधीक्षक सिंगरौली हितेश चौधरी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिंगरौली- प्रदीप शेन्डे के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर के दिशा निर्देश में विन्ध्यनगर पुलिस द्वारा की गई हैं , कार्यवाही में विन्ध्यनगर थाना प्रभारी अरुण कुमार पांडेय , उपनिरीक्षक राममिलन तिवारी ,सहायक उपनिरीक्षक एन॰ पी॰ तिवारी , प्रधान आरक्षक-बिरेंद्र त्रिपाठी , सुनील पाठक ,आरक्षक कुणाल सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विन्ध्यनगर पुलिस ने पाकेट मार चोरो को धर दबोचा बरामद कीमती कागजात नगदी रूपये सहित दबोचे गये चोर

सिंगरौली मध्यप्रदेश, उपेन्द्र दुबे रिपोर्टर, सिंगरौली शहर में आए दिन पाकिट मार की शिकायतों पर चोरों कि पड़ताल में जुटी विन्ध्यनगर पुलिस ने तीन पाकेट मार चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से नगदी व कीमती कागजात बरामद करते हुए आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है विन्ध्यनगर टीआई अरुण पाण्डेय के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में आरोपी बंसधारी बसोर निवाशी हरैंया, कन्हैया लाल बसोर निवाशी सहोखर कृष्णा ऊर्फ किशन बसोर निवासी बरगवां के कब्जे से आधार कार्ड वोटर कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस सहित

8 हजार 500 रुपये सहित एक बाइक बरामद कर धारा 379 के तहत मामला दर्ज किया है उक्त कार्यवाही में ए.एस.आई एन.पी तिवारी, रविशंकर सिंह, प्रधान आरक्षक वीरेन्द्र त्रिपाठी सुनील पाठक अखिलेश रावत सहित गठित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**